Therefore, I request the hon. Minister to see that the concerned departmental authorities should allocate the above mentioned crude products to Southern Zone and also to increase the quota of such allocations over and above the quantity allotted during 1973-74.

(iv) DEPLORABLE CONDITION OF THE EMPLOYEES OF MESSRS GIOVANALA-BINNY LTD. COCHIN DUE TO LOCK-OUT

SHRI XAVIER ARAKAL (Ernakulam): This is to bring to the notice the serious and deplorable conditions of the employees of M/s. Giovanala-Binny Ltd., Cochin, a heavy engineering company. This company is practically locked out from 1977 onwards by the wilfull and intentional mismanagement. The Inquiry Commission of 1979 has submitted its report. No action seems to have been taken either by the Central or State Governments to start this company which has been manufacturing engineering items for national schemes and public utility. Many orders are pending for completion with the company. The lock-out is entirely mischievous with the sole intention of forcing the government to take it over and I urge upon this government, considering the importance and utility of the goods produced, the profits it used to make and the present miserable conditions of over 400 employees, to take speedy steps either to take over the management or compel the State Government to take over the management of Giovanala-Binny Ltd. of Cochin without further delay.

(v) NEED FOR DECLARING URDU AS A SECOND OFFICIAL LANGUAGE IN UTTAR PRADESH

श्री जैनुल बशर (गाजीपुर) : बिहार सरकार ने उर्दू को द्वितीय राजभाषा घोषित कर दिया है । बिहार सरकार का यह कार्य बहुत सराहनीय है और इसके लिए वह बधाई की पात्र है ।

उत्तर प्रदेश में भी वर्षों से उर्दू को द्वितीय राजभाषा का दर्जा दिये जाने की मांग चली आ रही है । यहां पर उर्दू-भाषी लोगों की संख्या बिहार की अपेक्षा बहुत अधिक है । उत्तर प्रदेश में अभी तक उर्दू को द्वितीय राजभाषा का दर्जा न मिलने से उर्दू भाषी लोगों को बहुत क्षोभ है । मैं केन्द्रीय सरकार और विशेषकर प्रधान मंत्री से मांग करता हूं कि वह उत्तर प्रदेश सरकार को सलाह दे कि वह शीघ्रातिशीघ्र उर्दू को प्रदेश की द्वितीय राजभाषा घोषित करे ।

(vi) LATE-RUNNING OF TRAINS

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : नये रेल मंत्री की नियुक्ति तथा रेलवे बोर्ड में परिवर्तन के बाद लोगों में आशा जगी थी कि रेल गाड़ियों का आना-जाना समय से हो सकेगा । यात्री महसूस कर सकेंगे कि कहीं जाने पर वे समय से पहुंच जायेंगे तथा उनका निर्धारित काम पूरा हो जायेगा ।

परन्तु दुःख है कि स्थिति में परिवर्तन के आसार नहीं दीख रहे हैं । गाड़ियों का विलम्ब से चलना आज भी जारी है । लगता है कि कोई किसी को देखने-सुनने वाला नहीं है ।

गाड़ियों का विलम्ब से चलना सारे भारत की समस्या बन गयी है । हां, किसी क्षेत्र में स्थिति कम गंभीर है और किसी क्षेत्र में अधिक लोग महसूस नहीं कर पाते कि वे गन्तव्य स्थान पर समय पर पहुंच कर अपना काम कर लेंगे । अभी 30 नवम्बर, और 1 दिसम्बर की बात है । दिल्ली से पूरब और कलकत्ते से पश्चिम जाने वाली कोई भी गाड़ी घंटों कम विलम्ब से अपने गन्तव्य स्थान पर नहीं पहुंची । तिनसुकिया मेल, कालका मेल, डिलक्स, सोनभद्र एक्सप्रेस. दिल्ली-हावड़ा एक्सप्रेस, अपर इंडिया एक्सप्रेस आदि सभी गाड़ियां घंटों विलम्ब से